हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, शनिवार 6 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बसपा की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

निवास। बसपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार मंडला में जिला स्तरीय कार्यकर्ता व संगठन समीक्षा बैठक की गई, उक्त मीटिंग के मुख्य अतिथि व जिला प्रभारी श्री इंदर सिंह उइके ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया की जल्द से जल्द जिले की तीनों विधानसभा की समस्त पोलिंग व सेक्टर कमेटीयों के पदाधिकारियों का गठन जल्द से जल्द कर अगली जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रगति दस्तावेज लेकर उपस्थित होवें ताकि पार्टी के अलाधिकारियों के मार्गदर्शन में संगठन को मजबूती प्रदान की जा सके। उक्त कार्यकर्ता व संगठन समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि के साथ बसपा जिलाध्यक्ष राम कुमार चौधरी, जिला प्रभारी उत्तम जाटव, वरिष्ठ बसपा नेता सुरेंद्र चौधरी, कार्यालय प्रभारी राम हरदहा, अरुण हरदहा, नगर अध्यक्ष अभिषेक भांडे, जनपद सदस्य सुन्दर सिंह कुम्हरे सहित बसपा के आदेश जिम्मेदार नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योग अभ्यास सत्र के साथ गमलों में रोपे गए औषधीय पौधे

मण्डला। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को लेकर जिला प्रशासन द्वारा माहिष्मती घाट पर विशेष योग अभ्यास सत्र चलाया जा रहा है। शुक्रवार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर योग अभ्यास सत्र में प्रतिदिन की भाँति हिस्सा लेने पहुंचे कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह और सीईओ शाश्वत सिंह मीना ने गमलों में औषधीय पौधों का रोपण भी किया। विदित है कि आयुष विभाग द्वारा 1 जून से जिला प्रशासन के सभी विभाग प्रमुखों के लिए विशेष योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

रंगरेज घाट पर खंडहर बनी धर्मशाला और घाट ढहने की कगार पर

क्या बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है प्रशासन?

*** शासन प्रशासन क्यों नहीं ले रहा सुध।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मानसून दस्तक देने को है, पर मां नर्मदा के किनारे रंगरेज घाट पर स्थित ऐतिहासिक सेठ संता धार धर्मशाला और उससे लगा मुन्नीबाई धर्मशाला घाट हर दिन मौत को दावत दे रहा है। जर्जर हालत में खड़ी ये विरासत इमारत और घाट कभी भी बड़ा हादसा कर सकते हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की निगाहें इस ओर नहीं हैं।

क्या है स्थिति

धर्मशाला खंडहर में तब्दीलः सेठ संता धार धर्मशाला की दीवारों में दरारें, प्लास्टर उखड़ा हुआ, छत जर्जर। बरसात में पानी भरने से नींव और कमजोर हो रही है। घाट की कगार खोखलीः मुन्नीबाई धर्मशाला घाट की सीढ़ियों के नीचे का हिस्सा कट चुका है। तस्वीर में साफ दिख रहा है कि नर्मदा का पानी लगातार कटाव कर रहा है। घाट का एक बड़ा हिस्सा नदी में समा सकता है। पहले भी टल चुका है हादसाः स्थानीय नागरिकों के अनुसार, कुछ समय पहले घाट की कगार का एक हिस्सा गिर चुका है। गनीमत रही कि उस समय कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन खतरा अब भी बरकरार है। परिक्रमावासियों के लिए खतराः मां नर्मदा की परिक्रमा करने वाले सैकड़ों श्रद्धालु प्रतिदिन इस घाट का उपयोग करते हैं। स्नान, पूजन के दौरान कभी भी सीढ़ियां धंस सकती हैं।

सवाल प्रशासन से

क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या घटना घटने के बाद ही पोस्टमार्टम होगा और मुआवजा बांटकर कहानी खत्म कर दी जाएगी? पुरातत्व विभाग, नगर पालिका और जिला प्रशासन ने अब तक इस धरोहर के संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए? रंगरेज घाट मंडला की पहचान है। इसके बह जाने से शहर की ऐतिहासिक पहचान पर भी संकट आ जाएगा।

नागरिकों की मांग

तत्काल सुरक्षा ऑडिटः PWD और पुरातत्व विभाग की संयुक्त टीम भेजकर धर्मशाला और घाट की मजबूती की जांच कराई जाए। खतरे का बोर्ड व बैरिकेडिंगः हादसे से बचने के लिए घाट के खतरनाक हिस्से को तत्काल बंद कर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। आपातकालीन मरम्मतः मानसून से पहले कटाव रोकने के लिए तात्कालिक रिटेनिंग वॉल या बोल्डर पिचिंग का काम शुरू हो। दीर्घकालिक संरक्षण योजनाः राज्य शासन इस ऐतिहासिक धर्मशाला और घाट को हेरिटेज सूची में शामिल कर जीर्णोद्धार की योजना बनाए।

विरासत बचाना सिर्फ ईंट-पत्थर बचाना नहीं है, ये आने वाली पीढ़ियों के लिए इतिहास बचाना है। शासन-प्रशासन और जवाबदेह जनप्रतिनिधि तत्काल ध्यान दें, वरना नर्मदा का तेज बहाव एक दिन इस विरासत को बहा ले जाएगा। फिर पछताने से कुछ नहीं होगा।

पांच दिनों से नहीं मिल रहा है पानी, नल जल योजना बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज में विगत 5 दिनों से पानी नहीं मिल पा रहा है पाइप लाइन सुधार का काम एवं टंकी में मालवा की सफाई की जा रही है जिसके कारण पंचायत द्वारा दो दिन बोलकर आज 5 दिन हो गए पानी की सप्लाई बंद पड़ी है समय रहते हुए काम नहीं होने पर जनता पानी के लिए तरस रही है एक मोहल्ले में एक ही हैंडपंप है वह भी सही हालत में नहीं है लोग लंबी दूरी तय कर के पानी ला रहे हैं पानी के लिए दूर-दूर भटक रही जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है पंचायत द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है जिससे लोगों को समय में पानी मिल सके इस तरह की लापरवाही के कारण लोगों को इस भीषण गर्मी में पानी के लिए भटकना पड़ रहा है मिली जानकारी के अनुसार पानी की टंकी में करीब 3 फीट मालवा गंदा पड़ा है विगत समय जानकारी लगी थी की पाइपलाइन में जो पानी घरों में पहुंचा जा रहा है उसमें कीड़े निकल रहे हैं जिससे लोगों को स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है पर उसे समय पंचायत द्वारा ध्यान न देने के कारण लोगों को इस भीषण गर्मी में पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अतः उच्च अधिकारी से निवेदन है तत्काल पानी की टंकी से पानी की व्यवस्था में की जावे।

कैबिनेट मंत्री श्रीमती उइके ने रात्रि चौपाल बस को दिखाई हरी झंडी.....

मण्डला। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने मवई विकासखंड के ग्राम दाढ़ी में आयोजित रात्रि चौपाल और रात्रि विश्राम के लिए अधिकारियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस रात्रि चौपाल एवं रात्रि विश्राम कार्यक्रम शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का सशक्त माध्यम है। इसके जरिए ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनके त्वरित निराकरण का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान बस में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। जिले के आला अधिकारी गाँवों में पहुँचकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे, योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेंगे तथा जनहित से जुड़े विषयों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

मंडला की बेटी ने जीता मिसेस इंडिया यूनिवर्स गोवा में फर्स्ट रनर अप 2026 का किताब.....

मण्डला। मध्यप्रदेश की माहिष्मती नगरी मंडला के नाम एक और सुनहरी उपलब्धि जुड़ गई है। बिनेका रोड एकता कॉलोनी निवासी मिसेज निहारिका उइके को गोवा में आयोजित प्रतिष्ठित प्रेजेंट फैशन शो में मिसेज इंडिया यूनिवर्स फर्स्ट रनर अप 2026 का खिताब का विजेता घोषित किया गया है। एस. एस. फाउंडेशन द्वारा आयोजित मिसेज एंड मिस इंडिया इंटरनेशनल 2026 (सीजन-5) आयोजित किया गया। जिसमे देश के अन्य भागो से आये कई प्रतिभागी शामिल हुए, यह दो दिन का पेजेंट शो था जिसमे मंडला मध्य प्रदेश से निहारिका उइके ने पार्टिसिपेट किया। निहारिका उनके ने अपनी प्रतिभा एवं उच्च शिक्षा और आत्मविश्वास के दम पर देशभर से आई प्रतिभागियों को मात देकर यह गौरव हासिल किया। निहारिका एक गवर्नमेंट टीचर के साथ-साथ मॉडल और इनफ्लुएंसर भी है। बहुमुखी प्रतिभा की धनी निहारिका उइके अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नई पहचान बनाने के लिए तैयार है। निहारिका उइके को मिसेस इंडिया यूनिवर्सल फर्स्ट रनर अप 2026 घोषित कर सम्मान से नवाजा गया ।उनकी इस उपलब्धि से परिवार और मित्रजनों में हर्ष व्यक्त करते हुए बधाइयां प्रेषित किया है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के मंडला प्रवास की तैयारियां तेज

*** भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई बैठक।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के आगामी 16 जून 2026 के मंडला प्रवास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार सायं जिला भाजपा कार्यालय मंडला में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान, प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौर, संभाग प्रभारी श्री धनेश, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाहा सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रदेश सरकार में मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने भी आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं प्रदेश पदाधिकारियों के प्रस्तावित प्रवास की तैयारियों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैठक में श्री पवन पाटीदार के भव्य स्वागत, जनसंपर्क कार्यक्रमों तथा उनकी उपस्थिति में आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं से आग्रह किया गया कि वे अलग-अलग वाहनों के काफिलों में आने के बजाय सामूहिक रूप से यात्रा करें तथा माननीय प्रधानमंत्री के ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी आह्वान को ध्यान में रखते हुए कार पूलिंग अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिकाधिक उपयोग करें।

पड़रिया पंचायत में नहीं हो रही है नालियों की मरम्मत एवं साफ-सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज जो की विगत सालों से नालियों की मरम्मत न होने के कारण बरसात के समय हो या अन्य दिनों में नाली का पानी सड़क के ऊपर बहता रहता है पड़रिया पंचायत के अधिकतर वार्डों में नालियों की इस कदर की दुर्दशा हो गई है कि लोग आने-जाने में दुर्गंध आती है पंचायत द्वारा नालियों की मरम्मत एवं नालियों की सफाई पर ध्यान नहीं दे रही है ऐसे कामों में ध्यान नहीं देना जनता पर मनमानी की जा रही है शिकायत करने पर एवं 181 लगाने पर दबाव डालकर शिकायत वापस लेना पंचायत की एक वजह बन गई है पंचायत ऐसे नए काम करती है जिससे नए बिल लग सके पुराने काम में कोई दिलचस्पी नहीं है लोगों की समस्या बढ़ती जा रही है बरसात के पहले नालियों की मरम्मत नहीं हो पाई बीच सड़कों में नालियों का पानी बह रहा है बस स्टैंड के पास से जो गाली गई है बस्ती के अंदर न जाने कितने बार सरपंच सचिव द्वारा इंजीनियर को दिखाकर एस्टीमेट तैयार करते हैं पर आज तक उसे गाली की नालियों की दुर्दशा बनी हुई है वार्ड मेंबरों के द्वारा लगातार शिकायत की जाती है परंतु सरपंच सचिव ध्यान नहीं देती जिसके कारण पड़रिया पंचायत नालियों की दुर्दशा हो रही है जिससे गंभीर बीमारी फैलने की आशंका है अगर किसी भी तरह की बीमारियां फैलती हैं जिसकी जवाबदारी ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव की होगी उच्च अधिकारी से निवेदन है कि तत्काल ठोस कार्रवाई की जावे।

निर्देश | 15 जुलाई तक तैयार होंगे संदीपनी स्कूलों के नये भवन।

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम जरूरी-कलेक्टर

*** शिक्षकों के प्रशिक्षण और हेल्थ कार्ड पर दिया जोर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में शिक्षा विभाग द्वारा संचालित दो संदीपनी विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने निवास और बिछिया में चल रहे दोनों विद्यालयों की विस्तृत जानकारी ली।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने बताया कि जिले में शिक्षा विभाग के केवल दो संदीपनी विद्यालय संचालित हैं। दोनों के लिए पीडब्ल्यूडी पीआईयू द्वारा नया भवन बनाया जा रहा है। अभी कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई पुरानी बिल्डिंग में हो रही है। निवास स्कूल में हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम से पढ़ाई होती है, जबकि बिछिया में हिंदी माध्यम की कक्षाएं हैं।

कलेक्टर ने ईई पीआईयू से कहा कि 15 जुलाई तक नया भवन फर्नीचर सहित विभाग को सौंप दें। उन्होंने निर्देश दिए कि इसी सत्र से कक्षा 'अरुण' और 'उदय' से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं शुरू की जाएं। सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना ने नए भवन में स्कूल शुरू करने से पहले अभिभावक सम्मेलन करने का सुझाव दिया, जिसे कलेक्टर ने स्वीकार करते हुए कहा कि अभिभावकों का सम्मेलन अनिवार्य रूप से आयोजित करें ऐसे आयोजनों से अभिभावकों के साथ-साथ बच्चों में भी विद्यालय के प्रति अपनत्व का भाव विकसित होता है।

प्रवेश और परीक्षा पर फोकस

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि स्कूलों में निर्धारित संख्या में छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाए। जरूरत पड़े तो संकुल स्तर पर बच्चों और अभिभावकों के शिविर लगाकर स्कूल की व्यवस्था समझाई जाए। कक्षा में सभी को प्रवेश का अवसर मिले। उन्होंने 10वीं और 12वीं के पिछले सत्र के परिणाम की समीक्षा करते हुए कहा कि परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत होना चाहिए। कोई भी विद्यार्थी अनुत्तीर्ण न हो, इसके लिए शिक्षकों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण तुरंत शुरू कराएं।

स्वास्थ्य और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी

कलेक्टर श्री धोटे ने बच्चियों के हेल्थ चेकअप और फॉलोअप को अनिवार्य बताते हुए हर विद्यार्थी का हेल्थ कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। एनीमिक बच्चियों का विशेष फॉलोअप कर स्वास्थ्य निगरानी सुनिश्चित करें। साथ ही संदीपनी के साथ अन्य स्कूलों के छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराने को कहा। बड़े कोचिंग संस्थानों से बात कर ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराएं।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री मीना, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी, अशासकीय प्रतिनिधि अरविंद शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती वरकड़े, ईई पीआईयू पारस सिंह, डीएसओ श्री संत भलावी, सहायक संचालक एलएस मसराम, एपीसी मुकेश पांडे एवं श्री केके उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में छह फीट ऊंची बाउंड्री वॉल बनाने के निर्देश

*** बच्चों की सुरक्षा को मिली सर्वोच्च प्राथमिकता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के तहत प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। यह निर्देश माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में जारी किए गए हैं, जिनका उद्देश्य स्कूल परिसरों में आवारा श्वानों एवं अन्य बाहरी खतरों के प्रवेश को रोकना है।

जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि शैक्षणिक संस्थानों में आवारा श्वानों के प्रवेश को रोकने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त बाउंड्री वॉल, चारदीवारी एवं गेट की व्यवस्था करना संस्थान प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इसके लिए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि विद्यालय परिसर कम से कम छह फीट ऊंची दीवार या बाड़ से सुरक्षित रूप से घिरा हो।

बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु आवश्यक राशि की व्यवस्था स्थानीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों की निधि, जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि, विधायक एवं सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि तथा जनभागीदारी के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने इसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील एवं सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय बताया है।

उक्त आदेश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी, मण्डला द्वारा पत्र क्रमांक अकादमिक/2026/2610 दिनांक 26 मई 2026 के माध्यम से जिले के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार जिले में अनेक विद्यालय ऐसे हैं जहां आज भी बाउंड्री वॉल का अभाव है। इसके कारण विद्यालय परिसरों में अतिक्रमण, आवारा पशुओं एवं श्वानों का प्रवेश, वाहनों की पार्किंग तथा आवाजाही जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा प्रभावित होती है। कई स्थानों पर स्कूल परिसर खुले होने के कारण बच्चों के लिए दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि शासन का यह कदम स्वागत योग्य है। जिले में करोड़ों रुपये की लागत से आधुनिक विद्यालय भवन तो निर्मित हो गए हैं, लेकिन अनेक स्कूल आज भी चारदीवारी जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। मीडिया द्वारा भी समय-समय पर विद्यालयों में बाउंड्री वॉल की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया जाता रहा है, हालांकि अब तक विभागीय स्तर पर अक्सर फंड की कमी का हवाला दिया जाता रहा है।

खबर संक्षेप

पोषण आहार में बच्चों की जगह अधिकारी भगा रहे अपना कुपोषण

चीचली/गाडरवारा। जनपद

पंचायत चीचली में महिला बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही अनेक जन हितैषी योजना के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवो में देखा जावे तो वह लगातार पिछड़ रहें है। इस क्षेत्र मे संचालित अधिकांश सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के चलते इतनी फजीहत में है कि शासन की मंशा कही से किसी कीमत मे पूरी होती नही जान पड़ रही है। आमजन का आरोप है कि ब्लाक स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों पर सफेद पोषधारियों की कृपा दृष्टि के चलते भ्रष्टाचार ने सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को ऐसा पलीता लगाया कि योजनाये जहां दम तोडते हुये जन आ रही है और जिम्मेदार अधिकारी जरूरी माला माल होते हुये देखे जा रहे है...? वही दूसरी ओर आमजन से लेकर पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ पाने वाले भटकते हुए देखे जा रह है..? क्षेत्रवासियों का आरोप है कि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की उन तक तब जानकारी बहुंचती है जब या तो वह पूरी हो चुकती है, फिर उनमें आई राशि खत्म हो जाती है। ऐसी एक नही अनेक योजनाएं है,जिनका कागजों से हटकर हकीकत में आम लोगों को लाभ मिलना चाहिए,मगर नही मिल पा रहा है, जिसमें अनेक तो महिला बाल विकास के हबाले से जो भ्रष्टाचार व अनियामितताओं का शिकार है? पोषण आहार योजना की जो दुर्दशा जिसमें प्रकार से शहरों में हो रही है,उसे देखकर सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों मे इस योजना का क्या हाल होगा...? हरिभूमि टीम ने जब ग्रामीण क्षेत्र के पोषण आहार केन्द्रों और कुछेक आंगनवाड़ी केन्द्रों से जानकारी एकत्र की गई तो पता चला कि माहिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजना भ्रष्टाचार के चलते असफल साबित हो रही है...? जबकि शासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रो में अध्यन करने वाले बच्चों के नियम अलग अलग दिन के हिसाब से खाना मिलना चाहिए। मगर अनेक बच्चों के अभिभावकों को पता नही है कि आज उनके बच्चों को अलग से कुछ मिला है कि नही...? क्योंकि बच्चों द्वारा घर जाकर वही बताया जाता है कि जो रोज मिल रहा है वही आज मिला है। अधिकारियों द्वारा पैसा मांगने का आरोप -क्षेत्र की कुछ आंगनवाड़ी केन्द्रों मे काम करने वाली कार्यकर्ताओं ने अपना नाम उजागर न होने की शर्त पर दबे सुर मे अपनी परेशानियां बताई जो गंभीर है..? इनके विभागीय अधिकारियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है.., मांग पूरी न होने पर इन्हें डराया धमकाया जाता है और तो और इन्हे नौकरी से निकाल देने का भय भी दिखाया जाता है..?

जहां तहां खुली पड़ी डीपी बन सकती बड़ी घटना का कारण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा किसानों के जरा भी बिजली बिल यदि बकाया होते है तो उन्हें नोटिस देने के साथ साथ तुरंत बिजली लाईन काटने व संपत्ति कुर्क करने में देरी नही करता है? मगर वही दूसरी ओर बिजली विभाग के लापरवाही के चलते क्षेत्र के किसानों को समय पर न तो पर्याप्त बिजली मिल पा रही है और न ही बिजली लाईनों का रख रखाब किया जा रहा है जिसके कारण आम लोगों की जिन्दगी को पूर्ण रूप से खतरे की घंटी बजते हुए दिखाई देने से नही चूक रही है? नगर के अनेक जगहों पर बिजली विभाग द्वारा सड़क किनारे पर जो डी पी रखी गई है उनमें सुरक्षा के हिसाब से न तो कटटायूट लगाये गये है और न ही पेटी, जिन जगहों पर यदि कट टाऊट लगाये भी गये है उनकी उंचाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि कोई भी बच्चा आसानी से उन्हें पकड़कर अपनी जिन्दगी दाव पर लगा सकता है?

जाम शहर के रूप में रोशन हो रहा गाडरवारा का नाम

सड़कों पर वाहनों के लग रहे जाम से परेशान हो रहे आमजन, धनवानों द्वारा अपनी शान पूरी करने लिये गये वाहनों ने सड़कों पर जमाया कब्जा...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जिस प्रकार से गाडरवारा शहर ने सारी दुनिया में अपने शांति प्रिय स्वभाव को लेकर प्रसिद्व बनाई गई है। अब उसको ग्रहण लगते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के कारोबार के चलते युवा पीढ़ी उसकी गिरप्त में समाते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर नगर सहित क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पटरी से उतरते हुये देखी जा रही है। वह आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक पा रही है। यदि गाडरवारा क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय हमारा क्षेत्र जाम की प्रसिद्वी को लेकर संपूर्ण प्रदेश से लेकर अन्य प्रदेशों में अलग ही पहचान बनाते हुये दिखाई देने लगा है..? क्योंकि शहर के अंदर जहां तहां छलकते हुये जामों का हाल इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि रात के समय शराब खोरी करने के बाद सड़को पर होने वाली मटर गस्ती की सच्चाई किसी से छिपी नही है और बाइकर्सो की धमाचौकड़ी के कारण सभ्य लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है तो दूसरी नगर के अंदर से लेकर क्षेत्र की सड़को पर वाहनों का लगने वाला जाम निश्चित ही गाडरवारा का दूर दूर तक रोशन कर रहा है नाम? वैसे भी देखा जावे तो क्षेत्र की सड़को पर निकल रहे गड्डो की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि ग्राम कामती व शहर के शांतिदूत तिरहा के पास बने हुये गड्डे जहां अपने कई जन्म दिन मना चुके है तो दूसरी ओर शक्कर नदी पुल के निकलते हुये गड्डे निश्चित तौर से बल्र्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने की ओर अग्रसर होते हुये चले जा रहे है? क्योंकि यहां पर निकले हुये गड्डो का हाल इस तरह बन चुका है कि वह धीरे धीरे शक्कर नदी के पुल के नीचे की जमीन को खोखला करते चले जा रहे है और खोखली हो रही पुल के समीप की जमीन की दहशत के चलते यहां से निकलने वाले वाहन चालकों द्वारा अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये एक साईड से वाहन निकालने के लिये मजबूर हो रहे है। इस स्थिति में पुल के ऊपर जाम की स्थिति आये दिन बनने से नही चूक पा रही है। पुल पर जाम लगने के कारण जहां आमजन से लेकर स्कूल कालेज जाने वाले छात्र छात्राओं को भी अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। यह बात अलग है कि बीते हुये माह शिवरात्री के चलते यहां पर सुधार हो जाने से स्थिति में सुधार हुआ है। मगर वह चार दिन की चांदी फिर अधियारी रात साबित होने से नही चूकेगा? कुछ इसी प्रकार का हाल समीपस्थ ग्राम कौड़िया के पास देखने मिल रहा है जहां पर ग्राम के अंदर फैले हुये अतिक्रमण के कारण यहां पर दिन में अनेकों बार जाम की स्थिति पैदा होने के कारण लोग अपने वाहनों सहित घंटो तक इस जाम में फंसे हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? कुछ इसी तरह का हाल नगर से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर दिखाई देने से नही चूक रहा है। क्योंकि इस मार्ग पर पड़ने वाला रेल्वे फाटक कभी कभी घंटो तक बंद रहने की स्थिति में बडे वाहन यहां पर फंस जाते है जिन्हें निकलने के फाटक खुलने का इंतजार करना पड़ता है। वही दूसरी ओर गाडरवारा से पिपरिया की ओर जाने वाले मार्ग पर भी सालीचौका पौड़ार तिरहा के समीप आये दिन लगने वाला जाम क्षेत्र के लोगों को परेशानी का कारण बन चुका है। वही दूसरी ओर दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा का हाल तो सबसे खतर नाक बना हुआ है जहां पर मुख्य मार्ग पर लगने वाले बाजार के कारण आमजन की जिन्दगी खतरे में दिखाई देने से नही बच पा रही है। इस तरह गाडरवारा क्षेत्र में चारों ओर लगने वाले जमों के बीच फंसी हुई गाडरवारा शहर की प्रसिद्वि निश्चित तोर से दूर दूर तक फैलने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर नगर के अंदर का हाल तो यह बना हुआ है कि धनवानों द्वारा अपनी जरूरत पूरी करने के लिये चार पहिया वाहन खरीद लेते है मगर उन्हें रखने की व्यवस्था नही होने के चलते वह अपने वाहनों को घरों के सामने मुख्य सड़को पर खड़ा करना अपनी शान समझने से नही चूकते है। इस तरह नगर के अंदर सड़को पर धनवानों के खड़े रहने वाले वाहनों के चलते अन्य दूसरे वाहनों को प्रवेश करना मुश्किल होने से नही चूकता है। इस स्थिति में नगर पालिका का सफाई वाहन हो या फिर गैस टंकी पहुंचाने वाले वाहनों को शहर के अंदर कालोनियों में प्रवेश करना मुश्किल होना आम बात बन चुकी है। इस तरह जाम के बीच फंसे हुये इस शहर व क्षेत्र में भयानक स्थिति उस समय निर्मित हो जाते है जब किसी व्यक्ति की किसी कारण बस जिन्दगी खतरे में पड़े हुई हो और उसे इलाज हेतु बाहर ले जाने की नौबत पड़ जावे तो उसकी जिन्दगी पूर्णरूप से भगवान भरोसे होने से नही चूक पाती है? क्योंकि गाडरवारा से जिला मुख्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर जहां शक्कर नदी पुल व कौड़िया में लगने वाला जाम नासूर बन चुका है? वही दूसरी ओर यदि कोई व्यक्ति गाडरवारा से होशंगाबाद की ओर जाने की सोच रखता है तो उसे इस मार्ग पर सड़क से अधिक ऊचाई वाली रोड़ यानि की सड़क शोल्डर तो खतरा पैदा कर ही रहे है साथ ही साथ जहां पर गन्ना सीजन में लगने वाला जाम अपने घर से निकलने के पहले अनेको बार सोचने के लिये मजबूर कर देता है? इसके आलवा नगर से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर रेलवे गेट की स्थिति निश्चित तौर से क्षेत्रवासियों के लिये खतरे की घंटी बजाने से नही चूक पा रही है..? यह बात अलग है कि जब चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर रेल्वे गेट के पास ओबर ब्रिज की स्वीकृति हुई थी तो लोगों ने सोचा था कि अब गेट से मुक्ति मिल जावेगी। मगर इस ब्रिज का निर्माण जिस गति व गुडवत्ता से चल रहा है उससे यह उम्मीद नही की जा सकती है कि शहर के लोगों को शीघ्रता से इसका लाभ मिल पायेगा? इस तरह से शहर के अंदर शाम होते हुये छलकने वाले जामों से लेकर सड़को पर वाहनों का लगने वाला जाम निश्चित ही इस शहर को दूर दूर तक प्रसिद्व करते हुये दिखाई देने लगा है। क्योंकि गाडरवारा से नरसिंहपुर व गाडरवारा से पिपरिया की ओर जाने वाला मार्ग जहां राष्ट्रीय स्तर का मार्ग होने के कारण इस मार्ग से सिर्फ क्षेत्रवासियों का आना जाना ही नही होता है बल्कि लम्बी दूरी के वाहनों का निकलना भी होता है। मगर इस मार्ग पर अनेक जगहो पर बनने वाली जाम की स्थिति के चलते जब बाहर के लोग फंसकर परेशान होते हुये देखे जाते है तो निश्चित तौर से वह अपने शहर में गाडरवारा की चर्चा करने से नही चूकते होगे और जब कोई व्यक्ति यहां पर परेशानी का सामना करके निकलेगा तो फिर वह क्या चर्चा करेगा इस बात का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है? इस तरह क्षेत्र की सड़को की बदहाल हो रही स्थिति व सड़को पर लगने वाला जाम निश्चित ही नगर की प्रसिद्वी को जहां ग्रहण लगाते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान न देना इस बात का संकेत देते हुये देखा जा रहा है कि क्षेत्र में किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने के बाद ही अधिकारियों की कुंभकर्णी निंद्रा भंग हो पायेगी?

तत्कालीन टीआई बघेल सहित भास्कर, दिनेश व ऐश्वर्य का नाम रूस्तम पुरस्कार में आना नगर के लिये गौरव की बात

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब कोई अधिकारी हो या फिर कर्मचारी जब अपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ करते हुये तो वह आम जनता के दिलों में जगह बनाने के साथ साथ अपने विभाग में पुरूस्कार प्राप्त करने के हकदार बनते हुये अपने दायित्वों के प्रति निष्ठावान होने का प्रमाण देने से नही चूकते है। इसी के चलते शासन द्वारा इस तरह के अधिकारियों को अलग अलग पुरूस्कारों के माध्यम से सम्मानित किया जाता है। जिसमें कुछ इस तरह के पुरूस्कार होते हुये जिसके चलते निश्चित तौर अधिकारियों के चलते नगर को एक गौरव हासिल होने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई मध्य प्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा प्रदान किये जाने वाले के एफ रूस्तमजी पुरूस्कार को माना जाता है। इस पुरूस्कार के लिये प्रदेश के उन पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को चयनित किया जाता है जिनकी निष्ठा प्रदेश स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा मापते हुये चयन सूची में शामिल किया जाता है। इस पुरूस्कार के लिये अलग अलग श्रेणी होती है जिसमें परम विशिष्ट श्रेणी में शामिल अधिकारियों को एक रिवाल्वर व प्रमाण पत्र दिया जाता है। अति विशिष्ट श्रेणी में एक बारह बोर गन व प्रमाण पत्र तथा विशिष्ट श्रेणी में 50 हजार रूपया व प्रमाण पत्र प्रदान किये जाते है। इस तरह प्रदेश स्तर से घोषित होने वाले इस के एफ रूस्तमजी पुरूस्कार वर्ष 2024 की सूची जारी होते ही गाडरवारा पुलिस विभाग में काफी उत्साह देखने मिल रहा है। प्रदेश स्तर पर रूस्तमजी पुरूस्कार के लिये जारी हुई सूची में तत्कालीन टीआई राजपाल सिंह बघेल जो वर्तमान में जबलपुर ओमती पुलिस थाने में पदस्थ है। उनके साथ साथ हर मामले की गुत्थी सुलझाने में माहिर माने जाने वाले प्रधान आरक्षक भास्कर कौरव, आरक्षक दिनेश पटैल तथा आरक्षक ऐश्वर्य वेंकट का नाम शामिल होने के चलते गाडरवारा सहित जिला पुलिस विभाग में खुशी का महौल दिखाई देने से नही चूक रहा है। ज्ञात हो कि तत्कालीन टीआई राजपाल सिंह बघेल की गाडरवारा पुलिस थाने में पदस्थापना रहने के दौरान उनकी टीम में शामिल प्र आ भास्कर क्रमांक 33 भास्कर पटैल, आरक्षक क्रमांक 586 दिनेश पटैल तथा आरक्षक क्रमांक 635 ऐश्वर्य वेंकट द्वारा अनेक पेचिंदा मामलों की गुत्थी सुलझाते हुये मामलों का निकाल करने में एक अलग ही पहचान बनाई गई थी। मुख्य रूप से गाडरवारा नगर की एक गोल्ड लोन बैक में घटित हुई लूट की घटना ने संपूर्ण जिले की कानून व्यवस्था की विश्वनियता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया गया था। मगर इस मामले की तत्कालीन टीआई राजपाल सिंह बघेल व उनकी टीम में शामिल प्रधान आरक्षक भास्कर पटैल तथा दिनेश पटैल सहित ऐश्वर्य द्वारा घटना के चंद दिनों के अंदर ही गुत्थी सुलझाने के साथ साथ दूसरे प्रांत से आरोपियों की खोजबीन करते हुये जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने के साथ आरोपियों के पास से लूट की गई पूर्ण संपत्ति को जप्त करते हुये एक बड़ी सफलता हासिल करते हुये क्षेत्र के इतिहास में पुलिस की निष्ठावान कार्य प्रणाली को स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराने में पीछे नही रहे थे। क्योंकि वर्ष 2024 में नगर के बीचों बीच दिन दहाड़े घटित हुई इस लूट की घटना ने निश्चित तौर से लोगों का पुलिस व सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा सबाल खड़ा कर दिया गया था। मगर टीआई बघेल की टीम द्वारा लोगों के वर्दी के प्रति खोते हुये विश्वास को पुनः स्थापित करते हुये खुद के साथ साथ जिले के पुलिस कप्तान की गरीमा में चार चांद लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस तरह गाडरवारा पुलिस थाने के इतिहास में तत्कालीन टीआई बघेल सहित उनकी टीम में शामिल प्र आ भास्कर पटैल, आ दिनेश पटैल सहित ऐश्वर्य वेकट का नाम मध्य प्रदेश गृह विभाग द्वारा वर्ष 2023-2024 की के एफ रूस्तमजी पुरूस्कार के सूची में शामिल होने से स्थानीय पुलिस विभाग के साथ साथ नगर के लोगों में काफी उत्साह का महौल दिखाई देने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर प्रदेश स्तर पर कानून व्यवस्था के रूप में नगर का गौरव भी बढ़ते हुये दिखाई दे रहा है।

गांव के बेटा की सफलता ने साबित किया प्रतिभा सुविधाओं की मुहताज नहीं होती है...

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

अक्सर लोगों में यह भावना देखने मिलती है कि वह अपने बच्चों के उज्जबल भविष्य को लेकर बडे बडे शहरों के साथ साथ अच्छी कोचिंगों में प्रवेश दिलाते हुये परीक्षाओं की तैयारी कराने में पीछे नही रहते है। मगर कुछ लोग धन का आभाव कहा जावे या फिर व्यवस्थाओं की कमी के चलते मायूस होकर रह जाते है। क्योंकि वह धनवान लोगों की बराबरी तो कर नही सकते है। मगर दूसरी ओर यदि किसी बच्चे के अंदर कोई सफलता हासिल करने का जुनून होता है तो उसे जरूरी व्यवस्थाओं की जरूरत नही पड़ती है और वह घर बैठकर ही सफलता हासिल करते हुये अपने साथ साथ अपने गांव का नाम रोशन करने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गांव के बेटा आदर्श पटैल द्वारा साबित किया गया है। बताया जाता है कि ग्राम खुलरी निवासी भूपेंद्र पटेल के सुपुत्र आदर्श पटेल ने बाहरी कोचिंग के बिना ही विद्यालय में अध्ययनरत रहते लग्न व इच्छा शक्ति के साथ पढ़ाई करते हुये जिस तरह जेईई एडवांस की परीक्षा में सफलता प्राप्त की गई है वह निश्चित गांव के अन्य बच्चों के लिये एक मिशाल बनने से नही चूका है। इस गांव के बेटा ने साबित कर दिया गया है कि लग्न व इच्छा शक्ति व्यवस्थाओं की मुहताज नही होती है...? उल्लेखनीय उपलब्धि आदर्श के समर्पण, दृढ़ता और उत्कृष्टता की खोज का एक चमकता प्रतिबिंब है। यह उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान उनके विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं परिवार द्वारा प्रदान किए गए अटूट समर्थन,सहयोग और प्रोत्साहन का भी प्रमाण है। आदर्श अब आगे आईआईटी में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखेंगे सभी ने ऐसी उम्मीद व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की जा रही है।

मेगा अपार दिवस का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशों के परिपालन में जून माह के प्रत्येक शनिवार को विशेष शिविर का आयोजन कर अपार आईडी से वंचित विद्यार्थियों को विद्यालय में आमंत्रित कर नामांकन प्रक्रिया पूर्ण कर अपार आई डी का निर्माण का कार्य किया जाना है। इन निर्देशो के परिपालन में आज 6 जून को जून माह के प्रथम शनिवार को मेगा अपार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अपार आईडी से वंचित छात्रों की आईडी निर्माण का कार्य किया जावेगा। इस संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय नरसिंहपुर से विकासखंड चीचली तथा साईंखेड़ा से क्रमशः विकासखंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र राजपूत तथा सीमा डोंगरे को नोडल तथा बीआरसी डी के पटेल एवं संदीप स्थापक को सहनोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इन्होंने समस्त अपार आईडी से वंचित छात्रों एवं उनके अभिभावकों को शिविर/ विद्यालय में उपस्थिति की अपील की है।

वन समितियों की देखरेख में तेजी से संग्रहित हो रहा तेंदूपत्ता

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इन दिनों क्षेत्र में वन विभाग द्वारा बनाई गई सालीचौका, चीचली, गोटीटोरिया यूनिट की देखरेख में व्यवस्थित ढंग से जंगल क्षेत्र में तेन्दूपत्ता का संग्रहण का कार्य जारी है, जिससे उम्मीद है कि वन समितियों को तेंदूपत्ता के संग्रहण का जो लक्ष्य दिया गया है वह पूर्ण जायेगा। गौरतलब है कि इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य के दौरान वन क्षेत्र के आसपास के गांवों के आदिवासी, मजदूरों को अच्छी आय का साधन साबित हो रहा है, वही उनका वक्त खुशी के साथ कट रहा है, वन समितियों से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष गर्मी अधिक पड़ने से पिछले वर्ष की तुलना में क्षेत्र के जंगल के तेंदूपत्ता की गुणवत्ता बेहतर होने से इस कार्य में ज्यादा सहयोग मिल रहा है। आमतौर पर एक मजदूर दिन भर में लगभग 300 गड्डी तेंदूपत्ता तोड़कर लगभग 500 से लेकर 700 रूपया तक प्राप्त कर लेता है जिसके चलते उसकी मजदूरी निकल आती है। क्षेत्र के वनांचल के गांवों में रहने वाले आदिवासी हर साल बेसब्री से तेंदूपत्ता संग्रहण क कार्य शुरू होने का अप्रैल मो से इंतजार करने लगे है। ज्ञात हो कि क्षेत्र के वनांचल में उपजा तेंदूपत्ता हमेशा से अपनी गुणवत्ता को लेकर श्रेष्ठ माना जाता है जिसे खरीदने बाहर के व्यापारी लालायित रहते है।

एक पेड माँ के नाम रोपते हुये मंत्री सिंह ने कहा कि धरती का आंचल हरा-भरा रखना हम सबकी जिम्मेदारी...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि धरती का आंचल हरा-भरा रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं है, बल्कि एक याद्गार पल है और एक मौका भी है। यह याद रखें कि प्राकृतिक से हमारा रिश्ता सह-अस्तित्व का है। आज के दिन हम संकल्प लेकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक पौधा जरूर लगाएं। पौधा रोपित करने के साथ ही उस पौधे को बड़ा होने तक उसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी लें। प्रदेश के शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह शुक्रवार को पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडरवारा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री सिंह एवं मंचासीन अतिथियों ने माँ सरस्वती जी का पूजन कर किया गया। इस मौके पर मंत्री सिंह ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वयं सेवी संगठनों और छात्र- छात्राओं के साथ सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, पूर्व नपा अध्यक्ष नवनीत चाचा, राजेंद्र साहू, मिनेन्द्र डागा, हंसराज मालपानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम मणिन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, तहसीलदार श्रीमती प्रियंका नेताम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख व अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और छात्र-छात्राएं मौजूद थे। मंत्री सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी जागरूक बनें और दूसरों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करें। इस दौरान मंत्री सिंह ने विधायक क्षेत्र विकास निधि से प्रदत्त 5 ई-स्वच्छता वाहन नगर पालिका परिषद को प्रदान किए। कार्यक्रम मे प्राचार्य सतीश नाईक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक मनीष शंकर तिवारी एवं आभार प्रदर्शन चंद्रकांत शर्मा ने किया गया।

लिलवानी शिक्षण संस्था में अंकसूची के साथ अन्य सामग्री का हुआ वितरण

हरिभूमि न्यूज/गाडवारा। यदि शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को जरूरी सामग्री का समय पर वितरण हो जाता है तो निश्चित तौर से उसका लाभ बच्चों को मिलने से नही चुकता है। इसी के चलते समीपस्थ चांवरपाठा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम लिलवानी में संस्था प्राचार्य संजय सोनी एवं स्टाफ द्वारा कक्षा दसवीं मे उत्तीर्ण हुए छात्र एवं छात्राओं को डॉक्यूमेंट फाइल में उनकी अंक सूची सहित स्थानांतरण प्रमाण पत्र व अन्य लेखन सामग्री का वितरण समारोह के बीच किया गया। प्राचार्य सोनी ने बताया कि हमारे स्कूल से छात्र छात्राओं ने कक्षा10 वी तक पढ़ाई की, हम लोग चाहते थे कि विधार्थी स्कूल से अच्छी यादें लेकर जाएँ। इसी उद्देश्य को ध्यान मे रखकर हम शिक्षकों ने ये नवाचार किया है।

सांईखेड़ा में लग रहे जाम को लेकर उदासीनता बरत रहा प्रशासन, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा को जहां ग्राम पंचायत से नगर पंचायत व तहसील का दर्जा मिल जाने के कारण अब इस कसबा ने बड़ा रूप धारण तो कर ही लिया गया है। वही देखा जावे तो यहां से प्रदेश स्तर के मार्ग का निर्माण होने के बाद स्थिति इस प्रकार से हो गई है कि अब इस क्षेत्र से बड़े वाहन निकल रहे है, क्योंकि मार्ग का नगर के अंदर से निकलने का यह परिणाम है कि आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता चला जा रहा है, वही नगर के अंदर से निकले हुए मार्ग चलते जहां आये दिन जाम की स्थिति निर्मित तो हो ही रही है। इतना ही नही यहां से बड़े वाहनों के 24 घंटे निकलने से आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरे के घंटी भी बजते हुए देखी जा रही है? क्योंकि जब से सांईखेड़ा उदयपुरा जाने वाले मार्ग के बीच नर्मदा नदी पर पुल का निर्माण हुआ है उस समय से यहां से जिस प्रकार के वाहन गुजर रहे है उसके कारण इन वाहनों का नगर के मध्य से निकलना खतरे से खाली नही है? क्योंकि इसी मार्ग पर जहां तहसली कार्यालय पड़ता है, वही दूसरी ओर जनपद कार्यालय होने के साथ साथ साप्ताहित बाजार भी सड़क किनारे लगने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए आये दिन खतरा साबित हुए हुये जान पड़ रहे है। इतना ही नही इस सड़क से इस प्रकार से बड़े वाहनों के निकलने के कारण सड़कों की दुर्गति भी होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार की स्थिति को देखते हुए नगरवासियों द्वारा बच्चों के स्कूली समय तथा साप्ताहिक बाजार के दिवस पर नगर के मध्य से गुजरने वाले बड़े वाहनों के निकलने पर रोक लगाये जाने की मांग की गई है, मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा नगरवासियों की मांग को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए नालों की सफाई कार्य प्रारंभ

डिंडौरी। वर्षा ऋतु में जलभराव एवं जनसामान्य को होने वाली संभावित असुविधाओं से बचाव हेतु निकाय क्षेत्र अंतर्गत नालों एवं नालियों की विशेष सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह कार्य जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया द्वारा प्रदत्त निर्देशों एवं माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशों के क्रम में कराया जा रहा है।निकाय द्वारा क्षेत्र के प्रमुख नालोंए जल निकासी मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों की पहचान कर विशेष सफाई अभियान संचालित किया जा रहा हैए जिससे वर्षा के दौरान जल निकासी सुचारु रूप से हो सके तथा जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सफाई कार्य में संलग्न अमले को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभारी मुख्य नगर परिषद अधिकारी श्री आशीष कोरी ने बताया कि वर्षाकाल के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होए इसके लिए नगर परिषद द्वारा पूर्व तैयारी के रूप में व्यापक स्तर पर नाला.नाली सफाई कार्य कराया जा रहा है। साथ ही कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है।निकाय प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे नालों एवं नालियों में कचराए प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री न डालें तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग प्रदान करेंए जिससे वर्षा ऋतु के दौरान नगर में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।निकाय प्रशासन द्वारा सफाई कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त संसाधनों की भी व्यवस्था की जाएगीए ताकि वर्षाकाल में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

मानिकपुर मंडल भाजपा की मासिक बैठक संपन्न

शहपुरा। भारतीय जनता पार्टी मंडल मानिकपुर की मासिक बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती एवं आगामी गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से मंडल क्षेत्र के शक्ति केंद्रों एवं बूथों के सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। बैठक में शहपुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ओमप्रकाश धुर्वे मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की रीढ़ माने जाने वाले बूथ एवं शक्ति केंद्रों को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने पर जोर दिया। विधायक ने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत है और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा मिलती है।इस दौरान मंडल महामंत्री राजेंद्र तिवारी सहित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस बैठक में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया गया।

गोंडी चित्रकला को मिला डिजिटल बाजार का नया मंच, डिंडौरी के कलाकारों को मिलेगी वैश्विक पहचान

डिंडौरी। जनजातीय कला और संस्कृति के संरक्षण तथा कलाकारों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में डिंडौरी जिले ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में गोंडी चित्रकला आधारित उत्पादों के लिए ई.कॉमर्स मंच का शुभारंभ किया गया। इस पहल से विश्व प्रसिद्ध पाटनगढ़ गोंडी कला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा राज्य मंत्री राधा सिंह ने वर्चुअल माध्यम से किया। इस अवसर पर आजीविका ग्राम संगठन पाटनगढ़ और डॉट्स एंड डैशेज संस्था के बीच गोंडी चित्रकला संवर्धनए कलाकारों की आजीविका उन्नयन एवं विपणन सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन ;एमओयूद्ध पर हस्ताक्षर भी किए गए।कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगीए मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हर्षिका सिंह तथा अमेजन कारीगर टीम के प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

डिजिटल प्लेटफॉर्म से बढ़ेगी कलाकारों की पहुंच और आय

इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में स्थानीय कलाकारों ने गोंडी कला से सुसज्जित कैनवासए टी.शर्टए शर्टए साड़ीए दुपट्टाए रूमाल सहित विभिन्न उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। कलाकार चम्पी श्यामए आसमा तेकाम सहित अन्य चित्रकारों की

लगभग 30 कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ष्वोकल फॉर लोकलष और ष्आत्मनिर्भर भारतष के संकल्प को साकार करने में स्थानीय कला की महत्वपूर्ण भूमिका है। गोंडी चित्रकला को ई.कॉमर्स मंच से जोड़ने से कलाकारों को नए अवसर मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। राज्यमंत्री राधा सिंह ने कहा कि सरकार स्व.सहायता समूहोंए ग्रामीण महिलाओं और कलाकारों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। डिजिटल विपणन के माध्यम से कलाकारों की आय में वृद्धि के साथ.साथ सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा।शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि पाटनगढ़ की गोंडी चित्रकला देश की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक धरोहर है। ई.कॉमर्स मंच से कलाकारों को व्यापक बाजार मिलेगा और उन्हें उनकी कलाकृतियों का उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि करंजिया विकासखंड स्थित पाटनगढ़ देश.दुनिया में गोंडी चित्रकला के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित है। यहां 157 परिवार प्रत्यक्ष रूप से इस कला से जुड़े हैं। गोंडी चित्रकला गोंड जनजाति की संस्कृतिए लोककथाओं और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता की जीवंत अभिव्यक्ति है।कार्यक्रम में बताया गया कि डॉट्स एंड डैशेज संस्था के सहयोग से कलाकार परिवारों की औसत वार्षिक आय 35.40 हजार रुपये से बढ़कर 60 हजार से 2ण्70 लाख रुपये तक पहुंच गई है। नई व्यवस्था के तहत गोंडी कला आधारित उत्पादों को अमेजन कारीगर सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ई.कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगाए जिससे कलाकारों को वैश्विक बाजार तक पहुंच मिल सकेगी।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्तेए प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा पंकज सिंह तेकामए कलेक्टर अंजू पवन भदौरियाए जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी सहित जनप्रतिनिधिए अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कलाकार उपस्थित रहे।

एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण, स्वच्छता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश

डिण्डौरी। नगर परिषद क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद अध्यक्षए उपाध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों ने एमआरएफ ;मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटीद्ध सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी मुख्य नगर परिषद अधिकारी आशीष कोरी भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने सेंटर में कचरे के पृथक्करणए संग्रहणए प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने एमआरएफ सेंटर की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित तथा परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए।

प्रभारी मुख्य नगर परिषद अधिकारी आशीष कोरी ने कहा कि नगर को स्वच्छए सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने में एमआरएफ सेंटर की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि स्त्रोत स्तर पर गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण किए जाने से अपशिष्ट प्रबंधन अधिक प्रभावी बनता है तथा पुनर्चक्रण को बढ़ावा मिलता हैए जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलती है।निरीक्षण के दौरान सेंटर परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया गया तथा आवश्यक सुधारात्मक सुझाव दिए गए। साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का पृथक्करण कर नगर परिषद के स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।नगर परिषद द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण एवं स्वच्छ नगर निर्माण के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा हैए ताकि डिण्डौरी को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जा सके।इस अवसर पर नगर परिषद के अधिकारीए कर्मचारी एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंगपुर में जनपद स्तरीय कार्यक्रम

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

डिंडोरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगपुर में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षणए जल संवर्धनए स्वच्छता एवं हरियाली बढ़ाने के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का अभियान नहींए बल्कि सतत जनभागीदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि जलएए जंगल और जमीन का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की गई।कार्यक्रम में जनपद पंचायत की ओर से सीईओ सचिन अग्रवालए पीसीओ अभिनंदन पुशामए राजबहादुर ठाकुरए राधेश्याम कुशरामए खम्हेरा की सरपंच कौशल्या कुशराम तथा जनपद सदस्य धरम सिंह धुर्वे सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच दीपचंद्र पुशामए उपसरपंच रघु सिंहए सचिव गणेश यादव एवं रोजगार सहायक धन्नूलाल चौहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षणए स्वच्छता एवं हरित ग्राम निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ वृहद पौधारोपण

डिंडौरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामान्य वनमंडल डिंडौरी द्वारा ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत जोगी टेकरिया नगर वन में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियोंए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रूदेश परस्तेए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेंद्र राजपूतए मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके पश्चात कलेक्टर अंजू पवन भदौरियाए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरीए वनमंडल अधिकारी भारती ठाकरेए उपवनमंडल अधिकारी ;आईएफएस प्रोबेशनरद्ध विशाल होशमनीए एसडीएम भारती मिरावीए उप वनमंडल अधिकारी गड़ासरई सुरेंद्र सिंह जाटवए परिक्षेत्र अधिकारी अतुल सिंह बघेल एवं अन्य अधिकारियों ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।इस दौरान करंजए जामुनए महोगनीए बरगदए सीताफलए अमरूद और आम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षणए जैव विविधता संवर्धन तथा भावी पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण निर्माण हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संदेश दिया।

चित्रों के माध्यम से जागरूकता का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में डिंडौरी फॉरेस्ट कैंपस स्थित निस्तार डिपो परिसर में नव निर्मित दीवारों पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षणए जल संवर्धनए वन एवं वन्यजीव संरक्षण तथा स्वच्छता से जुड़े विषयों पर आकर्षक चित्र और संदेश प्रस्तुत किए।प्रतियोगिता के दौरान फॉरेस्ट कैंपस परिसर में भी वृक्षारोपण किया गया। आयोजन के माध्यम से आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का प्रयास किया गया।वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सामान्य वनमंडल डिंडौरी द्वारा पर्यावरण संरक्षणए हरित आवरण वृद्धि और जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भविष्य में भी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम एवं अभियान संचालित किए जाते रहेंगे।

डिजिटल मंच पर उतरे संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी नियमितीकरण और समान वेतन की मांग

डिंडौरी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ;एनएचएमद्ध के अंतर्गत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी डिजिटल आंदोलन की शुरुआत कर दी है। शुक्रवार को कर्मचारियों ने व्हाट्सएपए फेसबुकए इंस्टाग्राम और एक्स ;पूर्व में ट्विटरद्ध सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाते हुए नियमितीकरण एवं समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग दोहराई।संविदा कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैंए लेकिन आज भी उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान वेतन और सुविधाएं प्राप्त नहीं हो रही हैं। कई बार आंदोलनए ज्ञापन और वार्ताओं के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

सोशल मीडिया अभियान से सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश डिजिटल अभियान के तहत कर्मचारियों ने सोशल मीडिया पर पोस्टए संदेश और हैशटैग अभियान चलाकर अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना महामारी सहित विभिन्न स्वास्थ्य आपात स्थितियों में उन्होंने अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवाएं दींए लेकिन उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश उरैती ने कहा कि संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैंए फिर भी वे वर्षों से असुरक्षा और असमानता के माहौल में कार्य करने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई बार नियमितीकरण और वेतन विसंगतियों को दूर करने का आश्वासन दियाए लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। डिजिटल आंदोलन के माध्यम से सरकार को उसके वादों की याद दिलाई जा रही है।कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उनका कहना है कि संविदा कर्मचारियों की लगातार उपेक्षा न केवल उनके मनोबल को प्रभावित कर रही हैए बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।इस दौरान जिला कोषाध्यक्ष नेहा सिहारेंए जिला उपाध्यक्ष उपेन्द्र पारासर एवं जफर खानए जिला मीडिया प्रभारी अनिल साहूए सह मीडिया प्रभारी गिरीश डेहरियाए महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अंजना धुर्वेए महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रूपा नामदेवए वरिष्ठ मार्गदर्शक सुशील नामदेव सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों डिंडौरीए अमरपुरए समनापुरए बजागए करंजिया और मेहंदवानी के बड़ी संख्या में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अभियान से जुड़े।कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि उनकी मांगें पूरी तरह न्यायसंगत हैं और सरकार को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। डिजिटल आंदोलन के माध्यम से प्रदेशभर के कर्मचारियों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए अपने अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा देने का संकल्प लिया है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 6 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

करेंट लगने से किसान की मौत

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपी ग्राम छत्तरपुर में एक ट्रांसफार्मर पर विद्युत लाइनमेन और हेल्पर के साथ सहयोग बतौर कृषक अखिलेश पटेल के द्वारा काम किया जा रहा था। दोपहर दो बजे तक लाइन बंद भी करने के लिए ऊपर से परमिट लिया गया था और शड्यूल में भी था। लेकिन दोपहर साढ़े बारह बजे अचानक बिजली चालू हो जाने से ट्रांसफार्मर पर ऊपर काम कर रहे अखिलेश की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। और नीचे खड़े लाइन मेन हेल्पर वहां से भाग निकले। सूचना मिलते ही लोगों ने पहुंचकर अखिलेश को अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।पी एम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया।दूसरे शुक्रवार को बड़ी संख्या में किसान संघ के लोगों ने डोभी विद्युत कार्यालय पहुंचकर घेराव कर अखिलेश के परिजनों को मुआवजा की बात की है। अखिलेश पटेल के दो छोटे छोटे बच्चे भी हैं।जिनकी परवरिश का संकट खड़ा हो गया है।

सर्पदंश से महिला की मौत

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपी ग्राम ग्वारी के प्रतिष्ठित मघैया परिवार के अनंदी लाल पटेल की पत्नी श्रीमती मुन्नी बाई को घर में काम करते समय काले सांप ने काट दिया था। जिसका उपचार के चलते दुखद निधन हो गया।

अवैध मदिरा बरामद, 9 प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में मदिरा संबंधी अवैध गतिविधियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी विभाग बल द्वारा गुरूवार को वृत्त नरसिंहपुर और करेली के अंतर्गत दबिश देकर अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान 15 लीटर कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा, 52 पाव देशी मदिरा (9.36 बीएल), 13 पाव विदेशी मदिरा एवं 975 किलो ग्राम महुआ लाहन बरामद कर मप्र आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की के तहत 9 प्रकरण पंजीबद्ध किए गये। कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी रवींद्र जैन, आबकारी उपनिरीक्षक सतीश कुमार, आब.मु.आर. सदर सिंह बरकड़े, आब.आर. लालजी प्रसाद चैधरी, नवल सिंह ठाकुर, ब्रिज किशोर सोनी, दीपांशु चौकसे, महिला आरक्षक माहेश्वरी नाग और नगर सैनिक मौजूद थे।

वृक्ष हमारे जीवन का है आधार: विधायक

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरियाली महोत्सव सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व पर्यापरण दिवस के उपल्क्ष पर जिला प्रशासन द्वारा बरमार में कार्यक्रम आयोजित कर वृहद वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है, जो हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। वृक्ष और समृद्ध जैव विविधता ही मानव जीवन को सुरक्षित और सुखमय बनाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बढ़ते प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के बीच पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है। विधायक श्री पटेल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार 5 जून 2026 को जिले के बरमानकलां में हरियाली महोत्सव के तहत पौधरोपण के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने सभी को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

जल संरक्षण को दें बढ़ावा

विधायक श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी नागरिकों को यह संकल्प लेना होगा कि वे अधिक से अधिक पौधरोपण करें, जल संरक्षण को बढ़ावा दें, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और आसपास के वातावरण को स्वच्छ और हरित बनाए रखने में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि हमसभी का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य प्रदान कर सकता है। विधायक श्री पटेल ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवनभर निभाए जाने वाली जिम्मेदारी है। हम सभी मिलकर प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लें और एक स्वच्छ, हरित और समृद्ध भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नर्मदा तटीय क्षेत्रों को हरा-भरा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिले में जल संरक्षण को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं। नदी-नालों, तालाबों और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जा रही है। भू-जल स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में 70 हजार कंटूर ट्रेंच बनाए गए हैं। जिससे वर्षा के जल को रोककर भूमिगत किया जा सके।

फलदार खेती करें किसान

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन हम प्रतिवर्ष की तरह पौधरोपण का कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए जन सहभागिता से 5 जून से पौधरोपण करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 5 जून से 21 जून तक संचालित होगा। इस दौरान पौधरोपण, स्वच्छता, पर्यावरण, जल संरक्षण प्राकृतिक खेती और शिविर आयोजित कर हितग्राहियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस अभियान के दौरान नदी, नालों, तालाबों और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जाएगी, जिससे जल स्त्रोत संरक्षित हो सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि नरसिंहपुर जिले को मां नर्मदा जी की कृपा मिली है, यहां की भूमि उपजाऊ है। इस उपजाऊ भूमि में पौधरोपण का कार्य जरूर करें। उन्होंने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि धान, गेहूं, सोयाबीन, मूंग की खेती के साथ- साथ फलदार खेती भी करें। किसान अपनी खाली पड़ी जमीन या खेतों की मेढ़ों में पौधरोपण करें। उन्होंने कहा कि नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों के किनारे पौधरोपण करना अनिवार्य है। नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों की मिट्टी का कटाव होने से प्रतिवर्ष मिट्टी कटकर नर्मदा नदी में प्रवाहित हो जाती है। नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों में पौधरोपण करने से मिट्टी का कटाव रूकेगा और भूमि की उर्वरकता-क्षमता बढ़ेगी।

शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि जिले में शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त किया गया है। इस अतिक्रमण मुक्त की गई शासकीय भूमि में भी पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिला प्रशासन द्वारा 2 से 3 लाख पौधे सभी के सहयोग से लगाए जाएंगे। पौधों की सुरक्षा के लिए फेसिंग का कार्य किया जाएगा, जिससे पौधों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाया जा सके। जिले में स्वसहायता समूहों एवं स्वयं सेवी संगठनों के द्वारा सीड बॉल तैयार किए जा रहे हैं। जिन स्थानों पर पौधरोपण कार्य करने में कठिनाई होगी, उन स्थानों पर सीड बॉल के माध्यम से पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में 2 लाख सीड बॉल तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में उद्यानिकी विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख भूमिका होगी। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, जनपद पंचायत करेली की अध्यक्ष सुश्री प्रतिज्ञा परिहार और सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र नागेश ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर की नवांकुर, प्रस्फुटन संस्थाएं, सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी, परामर्शदाता, शिवाजी व शक्ति क्लब बरमान के वालेंटियर्स, स्वैच्छिक, धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वसहायता समूह की महिलाएं सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

हायर सेकेण्डरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नियमित्ता, अनुशासन एवं प्रोत्साहन के मूल मंत्र पर संचालित एम.आई.एम.टी. कॉलेज द्वारा प्रतिभा प्रोत्साहन की दिशा में जिले के विभिन्न विद्यालयों मे हायर सेकेंण्डरी परीक्षा में प्रदेश, जिला तथा विद्यालय स्तरीय प्रावीण्य सूची मे उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त सम्मान समारोह संकायवार आयोजित किया जा रहा है। विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का आयोजन बृजेश शर्मा बीईओ , मोहन विश्वकर्मा प्राचार्य सांदीपनी विद्यालय करेली, राजेन्द्र राजपूत, संजय नेमा, आर. एन. रावत, एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज एवं डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज के आतिथ्य में किया गया। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री शर्मा द्वारा शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की बात पर बल दिया। श्री विश्वकर्मा द्वारा छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा में आने वाली कठिनाइयों के लिए महाविद्यालय द्वारा आयोजित की जा रही काउंसलिंग प्रक्रिया की सराहना की। श्री राजपूत ने छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास की दिशा में प्रतिभा सम्मान समारोह को बेहतर माध्यम निरूपित किया। श्री नेमा द्वारा छात्र-छात्राओं की निरंतर प्रगति एवं उत्कृष्ट शिक्षा की बात पर बल देते हुए शुभकामनाऐं प्रेषित की। श्री रावत ने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को शुभकामनाऐं प्रेषित कीं। एड. रचित तिवारी ने व्यवसायिक एवं रोजगारोन्मुखी षिक्षा पर बल देते हुए विद्यार्थियों से लगन एवं कड़ी मेहनत की अपील की। डॉ. गर्ग ने स्वागत उद्बोधन देते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महाविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों के संबंध में चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार श्रीमती अनीता रघुवंषी द्वारा किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया तथा छात्रा दुर्गा चैधरी द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर शिक्षाविद हरिओम शर्मा, राकेश पटवा, विष्णु प्रसाद, आशुतोष नामदेव, अमन प्रजापति, तुलसी विश्वकर्मा एवं अभिभावक तथा महाविद्यालय स्टाफ मेम्बर्स तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान प्रज्ञा पटेल, शालिनी बी, कृष्णा गुप्ता, महिमा विश्वकर्मा, खुशी लोधी, तरुण विश्वकर्मा, अंशिका मिश्रा, सलोनी पाण्डे, अक्षत कठल, आर्या विश्वकर्मा, रूद्र प्रताप राजपूत, हिमांशु साहू, हेमंत रजक, अनीषा लोधी, स्तुति राजपूत, प्राप्ति ठाकुर, सूरज रजक, प्रियांशी पटैल, साधना विश्वकर्मा, महक जाटव, आशीष मेहरा, जागृति नेमा, रोशनी लोधी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने की विद्युत विभाग की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में विद्युत अधोसंरचना में किए जा रहे कार्य एवं उनकी प्रगति, अद्यतन मूल्यांकन, आरआरआरडीएस समाधान योजना, लगाए गए स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता तथा पॉवर ट्रांसफार्मर्ध क्षमता वृद्धि की समीक्षा की। बैठक में अधीक्षण यंत्री विद्युत विभाग नीलाभ श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता नरसिंहपुर विवेक जसेले व कार्यपालन अभियंता गाडरवारा आशुतोष ओझा और वृत के सभी उपसंभाग प्रभारी और वितरण केन्द्र प्रभारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बैठक में मैदानी क्षेत्रों में राज्य शासन की नीति के अनुसार किसानों को निरंतर विद्युत आपूर्ति एवं घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत विद्युत वितरण के कार्य में विभागीय स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा कर कार्य सम्पन्न करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों के बिजली बिलों को सुधार करने के लिए सरपंचध सचिव से समन्वय कर विशेष शिविरों के माध्यम से बिजली बिलों का निराकरण करें। उन्होंने निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को उनके सही भार के अनुसार बिल दिए जावें। वितरण केन्द्र स्तर पर विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

जिले में अब तक 167309.1 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 195889 खसरों का क्षेत्रफल 167309.1 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा गिरदावरी कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम और तहसीलदार को भी गिरदावरी कार्य की समीक्षा दैनिक रूप से करने के निर्देश दिए गए। जिले में राजस्व विभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक के द्वारा लगातार खेतों में पहुंचकर सर्वे का कार्य कर रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिन में बाल लीला, गोवर्धन पूजा का वर्णन

गोटेगांव। विगत दिवस पुराना बस स्टैंड में श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। कथावाचक पंडित अभिषेक दीक्षित ने बताया बाल लीला, गोवर्धन पूजा, और भागवत कथा आपस में जुड़े हैं, जहाँ भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं (जैसे पूतना वध) और फिर गोवर्धन लीला (इंद्र के अहंकार को तोड़ने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाना) का वर्णन होता है, जिसके बाद गोवर्धन पूजा होती है, जो भक्तों को भगवान की भक्ति और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देती है। यह कथाएं भागवत पुराण और अन्य ग्रंथों में मिलती हैं और कृष्ण की लीलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो उनके भक्तों को आनंद और प्रेरणा देती हैं।

बाल लीला और भागवत कथा का संबंध

श्रीमद्भागवत महापुराण में कृष्ण के जन्म, बचपन और उनकी अनेक मनमोहक लीलाओं का विस्तृत वर्णन है, जिसमें पूतना वध, कालिया नाग दमन, माखन चोरी और रासलीला जैसी बाल लीलाएँ शामिल हैं। कथावाचक इन लीलाओं का वर्णन करते हुए भक्तों को कृष्ण के प्रति प्रेम और भक्ति जगाते हैं।

गोवर्धन लीला और गोवर्धन पूजा

इंद्र का अभिमानः इंद्र देव ने क्रोधित होकर ब्रज पर मूसलाधार बारिश करवाई, क्योंकि ब्रजवासी अब उनकी पूजा छोड़कर गोवर्धन और गायों की पूजा करने लगे थे। कृष्ण की लीलाः इस संकट से बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर पूरे गोवर्धन पर्वत को उठा लिया और सात दिनों तक ब्रजवासियों को इंद्र की वर्षा से बचाया। संदेशः यह लीला यह दर्शाती है कि भगवान ही भक्तों के सच्चे रक्षक हैं और प्रकृति पूजनीय है। अन्नकूटः गोवर्धन पर्वत को नीचे रखने के बाद, श्रीकृष्ण ने प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा और अन्नकूट मनाने का आदेश दिया, जिसमें विभिन्न प्रकार के भोजन (56 भोग) बनाकर भगवान को अर्पित किए जाते हैं।

कथा का महत्व

भागवत कथा के दौरान इन लीलाओं का वर्णन सुनकर भक्त भावुक हो जाते हैं और भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। यह कथाएँ हमें याद दिलाती हैं कि परमात्मा ही हर संकट से रक्षा कर सकते हैं और हमें अहंकार त्याग कर भक्ति करनी चाहिए। कथा के दौरान भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओ ने जयकारो के साथ कथा का आनंद लिया। कथा के अंत में आरती कर सभी के कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की गई।

कुम्हड़ाखेड़ा स्थित आंगनबाड़ी की पोषण वाटिका में हुआ वृक्षारोपण

गोटेगांव। कुम्हड़ाखेड़ा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की पोषण वाटिका में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक तरंग दुबे, समाज सेविका स्नेहलता श्रीवास्तव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मंजुला मेहरा, सहायिका माया ठाकुर, सरपंच फूलमति मेहरा, सचिव नवल सिंह पटेल, जीआरएस संतोष अग्रवाल, राजेश झरिया मन्नू ठाकुर,एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।इस अवसर पर सभी ने पोषण वाटिका में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ता प्रदूषण, घटते जल स्त्रोत और लगातार बढ़ता तापमान हम सभी के लिए चिंता का विषय है। यदि हम आज पर्यावरण के प्रति गंभीर नहीं होंगे तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।श्रीमती तरंग दुबे ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

तेंदूखेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तेंदूखेड़ा में वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाई बहनों एवं नगरवासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस मौके पर बीके प्रीति दीदी ने कहा कि प्रकृति और मानव का गहरा संबंध है। स्वच्छ पर्यावरण हरित जीवन शैली और सकारात्मक संकल्पों के माध्यम से हम पृथ्वी को सुरक्षित एवं सुंदर बना सकते हैं। उन्होंने सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अनाज व्यापारी अशोक राय ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में बीके पुरुषोत्तम भाई ने उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई सभी से जल वायु एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण प्लास्टिक के कम उपयोग तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प करवाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी भाई बहनों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रकृति को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने का संकल्प लिया।